ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

4-10-2024

आप सभी बच्चों का यह ब्राह्मण जन्म मरजीवा जन्म है। मरजीवा बनना अर्थात् अपनी देह से, मित्र सम्बन्धियों से, पुरानी दुनिया से मर जाना। जैसे कोई मर जाता है तो पिछले संस्कार खत्म हो जाते हैं। तो यहाँ भी पिछले पुराने संस्कार ऐसे लगन चाहिए जैसे और कोई के थे, हमारे नहीं। जैसे ब्राह्मण गन्दी चीज़ को नहीं छूते हैं वैसे पुराने संस्कारों से बचना है। छूना नहीं है।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

This Brahmin birth is the birth of dying alive for all of you children. To die alive means to die to your body, your friends and relatives and the old world. When someone dies, his sanskars are also finished. So, here too, let your sanskars of the past be like they were someone else's sanskars, not yours. Just as Brahmins do not touch anything dirty, in the same way, protect yourself from old sanskars, do not touch them.